चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

जुलाई-सितम्बर, 2022 न्यूज़लेटर

विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान धूमधाम से मनाया गया
तिरंगे की आन, बान व शान को बनाए रखने का किया आह्वान

राष्ट्रीय ध्वज देश की प्रतिष्ठा व गरिमा का प्रतीक है। इसकी आन, बान व शान को बनाए रखना प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है। यह बात शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कही। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के तहत सिरसा के ऐतिहासिक गांव ओढा के लिए आयोजित तिरंगा यात्रा कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा यह देशवासियों के लिए ऐतिहासिक क्षण है कि देश आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। देश की स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार हुआ है कि हमारा यह राष्ट्रीय उत्सव हर घर का उत्सव बन गया है।

शहीदों के कारण हम खुली हवा में ले रहे सांस

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डिप्टी स्पीकर, विधानसभा, श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि युवा पीढ़ी इस देश का भविष्य है। इसलिए उनको यह जानना बहुत जरूरी है कि आज हम यदि खुली हवा में सांस ले रहे हैं तो यह उन तीन लाख 27 हजार शहीदों के कारण संभव हो पाया है जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने इस तिरंगा यात्रा में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय समुदाय विशेषकर विद्यार्थियों के उत्साह व उनकी भारी भागीदारी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा इस प्रकार के कार्यक्रम लोगों को तिरंगा के प्रति सम्मान और उनमें देशभक्ति की भावना जगाने के लिए बहुत जरूरी है।

मानव श्रृंखला बनाकर मनाया तिरंगा उत्सव

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने अपने देशभक्ति के जज्बे को अनूठे ढंग से प्रदर्शित किया। कर्मचारी और विद्यार्थी हाथ में तिरंगा लेकर समूहों में अपने-अपने कॉलेजों व कार्यालयों से निकले और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खण्ड-फ्लैचर भवन के पास प्लाजा में एकत्रित हुए, जहां उन्होंने भारत के मानचित्र के आकार में मानव श्रृंखला बनाई और पूरे वातावरण को भारत माता की जय व वन्दे मातरम् के घोष से गुंजायमान किया। उन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी आर काम्बोज ने कर्मचारियों व विद्यार्थियों के देश के प्रति उनके जज्बे की प्रशंसा की। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय मुख्य परिसर व सभी बाहरी केन्द्रों की ओर से तिरंगा यात्राएं भी की गईं।

अंतर्वस्तु

नशा मुक्ति के लिए धाकड़ कार्यक्रम आयोजित	2
दो दिवसीय कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में जुटे किसान	3
मेले में रिकॉर्ड 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल, खरीदे 1 करोड़ 50 लाख रूपए के बीज	3
छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट	4
छात्र वत्सल का नीदरलैंड की यूनिवर्सिटी में हुआ चयन	4
ऋषभ सिंह का अमेरिका के कैंजस यूनिवर्सिटी में चयन	4
सुरभि का अमेरिका की यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में एमएस के लिए चयन	5
छात्र अंकित का जर्मनी के शीर्ष विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में हुआ चयन	5
हकृवि के सात विद्यार्थियों को मिली कैंपस प्लेसमेंट	5
हकृवि के छात्र अक्षय महता को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित	6
एनएसएस का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित	6
विश्वविद्यालय युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें उद्यमिता विकास करेगा	7
विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को, राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड	7
संक्षिप्त समाचार	8-11
कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ को मिला सर्वश्रेष्ठ केन्द्र का पुरस्कार	12

संरक्षक

प्रो. बी.आर. काम्बोज
कुलपति

संपादक

डॉ. संदीप आर्य
मीडिया सलाहकार

मुख्य संपादक

डॉ. जीतराम शर्मा
अनुसंधान निदेशक

University Publication No.
CCSHAU/PUB#18-0026-2022-12-3

नशा मुक्ति के लिए धाकड़ कार्यक्रम आयोजित

किसी भी व्यक्ति, समाज व देश के विकास में नशा का सेवन बहुत बड़ा अवरोध है। इस समस्या को जड़ से समाप्त करना बहुत जरूरी है। इसके लिए पुलिस और समाज की सहभागिता की नितान्त आवश्यकता है। यह बात हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव ने कही। वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नशा मुक्त हरियाणा मिशन के तहत शिक्षण संस्थानों में धाकड़ कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की।

श्रीकांत जाधव ने कहा कि नशा ने केवल भारत में ही नहीं अपितु पूरे विश्व को अपनी चपेट में लिया हुआ है। आज पूरे दुनिया में 32 बिलियन यूएस डॉलर का नशे का अवैध कारोबार चल रहा है, जबकि भारत में हेरोइन का 20 लाख करोड़ रूपये का कारोबार हो रहा है। उन्होंने कहा ड्रग तस्करी के द्वारा कुछ देशों ने भारत के साथ अप्रत्यक्ष युद्ध छेड़ा हुआ है जिससे वो अवैध तरीके से नशीले पदार्थ भारत में भेजकर हमारी युवा शक्ति को नशीले पदार्थों की लत लगाकर देश को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों के साथ-साथ समाज का सहयोग बहुत जरूरी है ताकि समय पर सूचना मिलते ही नशीले पदार्थों का कारोबार करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा हरियाणा में 10 जिले नशीले पदार्थों के व्यसन से अत्याधिक प्रभावित हैं। हिसार रेंज में अधिक जिले प्रभावित होने के कारण इस धाकड़ कार्यक्रम की शुरूआत के लिए चुना गया है।

युवाओं को नशे से बचाना सबका कर्त्तव्य : कुलपति

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि ड्रग्स का सेवन दुनिया की आबादी के अच्छे खासे हिस्से को नष्ट कर रहा है। वर्तमान समय में नशा रूपी भयावह बीमारी का अधिक प्रभाव देश की युवा पीढ़ी पर देखा जा रहा है। युवाशक्ति राष्ट्र की धरोहर है जिसको सुरक्षित रखना और बचाना हम सबका कर्तव्य और धर्मपरायणता है। मादक पदार्थों की अवैध तस्करी को रोकने और इनके उपयोग की रोकथाम भी इसी कड़ी में एक पहल है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि यदि उन्हे नशा करने का विचार आए तो एक बार वे अपने माता-पिता के कठिन परिश्रम और उनके सपनों का अवश्य ध्यान रखें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा जागरुकता रैली का आयोजन किया गया।

दो दिवसीय कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में जुटे किसान

कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे।

कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया, जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों और उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया। उन्हें मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण के बारे में उपयोगी जानकारियां दी। कृषि मेले में किसानों के आकर्षण का केन्द्र रही एग्रो-इण्डस्ट्रियल प्रदर्शनी में उन्हे हकृवि, लुवास व एमएचयू और कृषि से संबंधित विभागों तथा प्राइवेट कंपनियों द्वारा लगाई गई स्टालों पर फसलों, सब्जियों आदि की उन्नत किस्मों, फार्म मशीनरी व यन्त्रों, रसायनिक व जैविक उर्वरकों, कीटनाशियों आदि के बारे में जानकारियां हासिल करने का अवसर मिला। इस दौरान हकृवि से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपना नाम रोशन करने वाले प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की ओर से लगाई गई स्टाल भी आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र रही।

मेले में रिकॉर्ड 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल खरीदे 1 करोड़ 50 लाख रूपए के बीज

कृषि मेले के दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। दो दिवसीय इस मेले में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रूपये के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेले में भाग लिया।

किसानों से सिंचाई जल व फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने की अपील

कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि मेले से किसानों को खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होता है तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीजों के अलावा किसानों ने 68 हजार रूपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी रही, जिसमें करीब 270 स्टॉलें लगाई गई थी।

छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दी।

कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय व धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता।

उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है, जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है।

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम होगी।

छात्र वत्सल का नीदरलैंड की यूनिवर्सिटी में हुआ चयन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विश्व प्रसिद्ध विदेशी शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले विद्यार्थियों में एक और नाम जुड़ गया है। इस विश्वविद्यालय के बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर के छात्र वत्सल अरोड़ा को कृषि विज्ञान में अग्रणी नीदरलैंड (यूरोप) की वागनिंगन यूनिवर्सिटी एंड रिसर्च सेंटर में दाखिला मिला है जहां वह दो साल पादप विज्ञान में एमएससी डिग्री के लिए शिक्षा व शोध करेगा। उल्लेखनीय है कि वत्सल को कोपेहेगन विश्वविद्यालय, स्वीडिश कृषि विश्वविद्यालय और स्टॉकहोम विश्वविद्यालय में भी दाखिले के लिए स्वीकृति प्राप्त हुई थी लेकिन उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए वागनिंगन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड को चुना। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वत्सल अरोड़ा की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विज्ञान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की एक समृद्ध परंपरा है।

ऋषभ का अमेरिका के कैंजस यूनिवर्सिटी में चयन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि स्नातक ऋषभ सिंह को अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक कैंजस स्टेट यूनिवर्सिटी में एम.एस. डिग्री पाठ्यक्रम में दाखिला मिला है जहां वह डॉ. मिथिला जुगुलम के मार्गदर्शन में फसल विज्ञान विषय में शोध करेंगे। इस पाठ्यक्रम दौरान उन्हे लगभग 51 लाख रूपये की छात्रवृति के साथ-साथ ट्यूशन फीस में छूट, रहने का खर्च व अन्य लाभ भी मिलेंगे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने ऋषभ के चयन पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कुलपति ने कहा ऋषभ का अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालय में चयन विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों को सिद्ध करता है। ऋषभ, अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं क्योकि उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ सह शैक्षणिक गतिविधियों जैसे खेल, क्विज कंपीटिशन व एन.एस.एस. में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और पुरस्कार हासिल किए हैं।

सुरभि का अमेरिका की यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में एमएस के लिए चयन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा सुरभि को अमेरिका की शीर्ष यूनिवर्सिटियों में से एक यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में दो वर्षीय मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) डिग्री कार्यक्रम के लिए चुना गया। डॉ. जेनिफर मैक एडम्स के मार्गदर्शन में छात्रा सुरभि पादप विज्ञान विषय में एमएस करेगी। छात्रा को लगभग 80 लाख रूपये की छात्रवृति के साथ-साथ टयूशन फीस, रहने का खर्च व छात्र स्वास्थ्य बीमा का लाभ भी मिलेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सुरभि की इस उपलब्धि के लिए प्रशंसा की और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

कुलपति ने कहा सुरभि का अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालय में चयन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन पर पूरा ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए गए हैं। सुरभि ने अपनी इस सफलता का श्रेय हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा की उपलब्ध सुविधाओं और विश्वविद्यालय के शिक्षकों की ओर से मिले मार्गदर्शन को दिया।

छात्र अंकित का जर्मनी के शीर्ष विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में हुआ चयन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी (आनर्स) कृषि के छात्र अंकित का जर्मनी के शीर्ष विश्वविद्यालयों में शामिल टेक्निकल यूनिवर्सिटी, म्यूनिख में दो वर्षीय मास्टर ऑफ साइंस डिग्री पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए चयन हुआ है। वह वहां कृषि जैव-विज्ञान विषय में शिक्षा व अनुसंधान करेगा।

पाठ्यक्रम के दौरान अंकित शून्य ट्यूशन फीस के साथ निशुल्क शिक्षा प्राप्त करेगा। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने अंकित की इस उपलब्धि के लिए प्रशंसा की और उसे उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा अंकित का जर्मनी के शीर्ष विश्वविद्यालय में चयन होना गर्व का विषय है।

हकृवि के सात विद्यार्थियों को मिली कैंपस प्लेसमेंट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सात विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में चयन हुआ है। इस कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत छात्र परामर्श एवं नियोजन इकाई द्वारा किया गया था।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि विद्यार्थियों के चयन के लिए कंपनियों की ओर से लिखित परीक्षा, ऑन-लाइन इंटरव्यू व व्यक्तिगत इंटरव्यू की प्रक्रिया अपनाई गई थी। उन्होंने बताया प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के एमबीए के छात्र गोविंद का विश्व प्रसिद्ध लुइस ड्रैफुस कंपनी (एलडीसी) में 8.05 लाख रुपये प्रति वर्ष के पैकेज के साथ जूनियर अग्रोनोमिस्ट के पद पर, एमबीए के ही छात्र दीपक कुमार, मोहित और मंदीप का देश की अग्रणी शुगर कंपनी मवाना

शुगर लिमिटेड में करीब 4 लाख रुपये प्रति वर्ष पैकेज के साथ एग्रीकल्चरल ट्रेनी के पद पर चयन हुआ है। इसी प्रकार प्लांट पैथोलॉजी विभाग के एमएससी के छात्र अक्षित मेहता और एमबीए के छात्र रोहित धनखड़ का महिंद्रा एग्री सोलुसन्स में क्रमश: 5 लाख व 6 लाख रुपये प्रति वर्ष के पैकेज के साथ चयन हुआ है। इसके अलावा प्लांट पैथोलॉजी विभाग की एमएससी की छात्रा दीपक कुमारी का 3.66 लाख रुपये प्रति वर्ष पैकेज के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान क्षेत्र में कार्यरत क्यू एण्ड क्यू रिसर्च कंपनी में एग्जीक्यूटिव रिसर्च (ट्रेनी) के पद पर चयन हुआ है।

हकृवि के छात्र अक्षय महता को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को लगातार एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल हो रही हैं। विश्वविद्यालय को जहां शिक्षा, शोध, विस्तार के क्षेत्र में अपने अमूल्य योगदान के लिए जाना जाता है वहीं समाज सेवा के क्षेत्र में भी इसका नाम पीछे नहीं है। समाज सेवा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने पर विश्वविद्यालय के बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए कृषि महाविद्यालय के छात्र अक्षय महत्ता को वर्ष 2020-21 के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के द्वारा दरबार हॉल, राष्ट्रपति भवन में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र के अलावा उन्हें मेडल व 1 लाख रूपये का नकद पुरस्कार भी दिया गया।

कड़ी मेहनत व लगन का फल है यह पुरस्कार: प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अक्षय को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि मन में दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के कारण ही इंसान को लक्ष्य की प्राप्ति होती है। अक्षय की कड़ी मेहनत व लगन का ही फल है यह पुरस्कार। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय परिवार के लिए यह बहुत गौरव की बात है।

एनएसएस का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित
कुलपति ने किया सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवकों को सम्मानित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में श्रेष्ठ कार्यो के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इन स्वयंसेवकों को पुरस्कार प्रदान किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने स्वयंसेवकों से राष्ट्रीय सेवा योजना के मोटो 'मैं नहीं आप' को चरितार्थ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इस मोटो को अपनाकर मानव जीवन को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा व्यक्ति के संपूर्ण विकास के लिए एनएसएस अत्यंत महत्वपूर्ण है। एनएसएस गतिविधियों के माध्यम से ही समाज का उत्थान किया जा सकता है।

उन्होंने एनएसएस के माध्यम से मानवता की भलाई के लिए किए जा रहे कार्यो जैसे स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, सामाजिक बुराइयों के विरूद्ध जागरूकता अभियान, पर्यावरण सुरक्षा आदि की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से एनएसएस और एनसीसी में बढ़-चढ़कर भाग लेने का भी आह्वान किया और कहा कि इनसे विद्यार्थियों का जीवन अनुशासन व सेवा भावना से प्रकाशमान होता है। कुलपति ने इस अवसर पर पुरूष वर्ग में बीएससी एग्रीकल्चर तृतीय वर्ष के छात्र यशपाल को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक और महिला वर्ग में रूचिका को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेविका के लिए पुरस्कार प्रदान किए।

इस मौके पर पौधा रोपण और एक दिवसीय एनएसएस कैंप का आयोजन भी किया गया जिसका कुलपति ने शुभारंभ किया। कैंप के संयोजक डॉ. चंद्रशेखर डागर ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए इकाई द्वारा पिछले एक वर्ष के दौरान राष्ट्रीय तथा प्रदेश स्तर पर अर्जित उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें उद्यमिता विकास करेगा: प्रो. बी.आर. काम्बोज

देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारतवासियों को स्वावलंबी बनाने में आगे बढ़ेगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य किया जाएगा और स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित 'उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण' समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का देश में हरित, पीत, श्वेत व नीली क्रान्तियां लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनके परिणामस्वरूप देश ने खाद्यान्नों, फल-सब्जी, दूध व मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने कहा कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें इतनी क्षमता है कि युवा लघु व कुटीर उद्योग स्थापित करके न केवल आजीविका कमा सकते हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं, जो आज के समय की मांग है।

विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अुनसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं, जिनके दृष्टिगत यह अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई किस्में हैं, जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कृषि महाविद्यालय

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों की टीम ने सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर में आयोजित कीट विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उम्दा प्रदर्शन किया। मेजबान विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित की गई प्रतियोगिता में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस टीम में कीट विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम के छात्र सन्नी मांजू, गीता देवी व विशेष यादव शामिल थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए टीम में शामिल छात्रों को बधाई दी और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

- ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। वृक्षारोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारतों व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वन-महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा वृक्षारोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहु-उद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरुकता आएगी। यदि हम सभी वृक्षारोपण को अपनी संस्कृति और रोजमर्रा के जीवन में शामिल करलें तो हम पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से अवश्य छुटकारा पा सकेंगे। इस मौके पर कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने अमलतास के औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि महाविद्यालय परिसर में 200 पौधें रोपित किए गए। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने पौधे रोपित किए।

- विद्यार्थियों को अपने करियर के निर्माण के लिए ज्ञान के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। इसके लिए उन्हें शैक्षणिक के साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2022-23 में दाखिला पाने वाले नवांगतुक विद्यार्थियों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रो. काम्बोज ने कहा शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने चहुंमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया और उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है।

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुण्डी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है, जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने पूर्ण उत्तरी भारत के लिए कपास फसल के लिए संयुक्त एडवाइजरी समय-समय पर किसानों तक पहुंचाने पर बल दिया।

- पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और मानव जाति को ये प्रकृति का अनमोल उपहार भी। इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा पेड़ सही मायने में पर्यावरण के सच्चे योद्धा हैं, जो इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं और हमें जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के

लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

- विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रूख करते हैं। परन्तु गर्भावस्था से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों की गर्भावस्था जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। उपरोक्त शैक्षिक सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी।

- जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइऑक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। ये हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियां जैसे जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं लेकिन मनुष्य विकास के नाम पर वनों को समाप्त कर रहा है, जिससे हमारे जीवन के लिए जोखिम बढ़ रहा है। इसलिए हर खाली स्थान पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है।

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में सांस्कृतिक संध्या-'फैमिनिन फ्यूजन' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेषरूप से गृह विज्ञान महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम की द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा 2021-22 सत्र की नवांगतुक छात्राओं के स्वागत में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उम्दा प्रदर्शन किया और दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि उपस्थित कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने छात्राओं की प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा विद्यार्थियों को अपने सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

कृषि अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय

- कृषि पैदावार को बढ़ाने और कृषि में समय व श्रम की बचत के लिए मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है। इसलिए एग्रीकल्चरल इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीने व यंत्र विकसित करने होंगे। यह विचार चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कृषि अभियांन्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा महान इंजीनियर सर एम. विश्वेशवरैया की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए इंजीनियरज-डे कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा देश में दो हैक्टेयर से कम भूमि वाले किसानों की संख्या करीब 86 प्रतिशत है ऐसे में इन किसानों पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है ताकि वे मशीनों की सहायता से भूमि की जुताई व बिजाई से लेकर फसल की कटाई व ढुलाई का काम समय पर पूरा कर सकें।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय

- हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा, जबकि अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्दू मोहंती ने अनुबंध-पत्र पर हस्ताक्षर किए।

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित थे। उन्होंने अपने कर-कमलों से गुलमोहर का पौधा रोपित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पौधारोपण को एक सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए। उन्होंने पौधारोपण के बाद पौधे की पूर्ण देखभाल करने और सुंदरता के लिए विशेष स्थलों पर विशेष किस्म के पौधे रोपित करने का आह्वान किया।

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड प्रोडक्ट वर्क-स्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के

अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्क-स्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो- स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्क-स्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यावहारिक सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्क-स्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजू महता को बधाई दी। डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्क-स्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्क-स्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है।

छात्र कल्याण निदेशालय

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के बाद अब टेनिस के दो सिंथेटिक कोर्ट और क्रिकेट के अत्याधुनिक पवेलियन की सुविधा मिलेगी। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय में सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रैक, बॉक्सिंग हॉल, बैडमिंटन हॉल के साथ सभी खेल मैदान उपलब्ध हैं। हाल ही में मल्टीपर्पज हॉल और पिस्टल शूटिंग रेंज का निर्माण करवाया गया है। उन्होंने कहा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की इन सुविधाओं के रहते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का और मौका मिलेगा। इस अवसर पर उन्होंने मेजर ध्यानचंद जिनके जन्म दिवस को खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है, को श्रद्धांजलि दी।
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में जूनियर रिसर्च फैलो (जेआरएफ) परीक्षा के लिए आयोजित तीन सप्ताह अवधि का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। छात्र कल्याण निदेशालय के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत मृदा विज्ञान विभाग द्वारा इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था जिसमें स्नातक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा यह प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के स्नातकों को देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में स्नातकोंत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला दिलाने में बहुत उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर डॉ. हरदीप श्योराण ने मंच का संचालन करते हुए प्रशिक्षण का पूरा ब्यौरा प्रस्तुत किया।
- राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक श्री पिंगली वेंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

अनसुंधान निदेशालय

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने सरसों की दो नई उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें आरएच 1424 व आरएच 1706 किस्में शामिल हैं। सरसों की इन किस्मों का लाभ हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और जम्मू तक के किसान उठा पाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि सरसों की ये दोनों किस्में विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने विकसित की है। इन किस्मों की अधिक उपज और बेहतर तेल गुणवत्ता के कारण कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुर (राजस्थान) में अखिल भारतीय समान्वित अनुसंधान परियोजना (सरसों) की हुई बैठक में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और जम्मू राज्यों में खेती के लिए पहचान की गई है।
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने जई की दो नई उन्नत किस्में एचएफओ 707 व एचएफओ 806 विकसित की हैं। देश के उत्तर पश्चिमी, दक्षिणी और पर्वतीय राज्यों के किसानों व पशुपालकों को जई की इन किस्मों से बहुत लाभ होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इन दोनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। जई की एचएफओ 707 दो कटाई वाली किस्म जबकि एचएफओ 806 एक कटाई वाली किस्म है। उन्होंने बताया भारत सरकार के राजपत्र में केन्द्रीय बीज समिति की सिफारिश पर जई की एचएफओ 707 किस्म को देश के उत्तर पश्चिमी जोन (हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व

उतराखंड) जबकि एचएफओ 806 को देश के दक्षिणी जोन (तेलंगाना, तमिलनाडू, केरल, कर्नाटक व आंध्रप्रदेश) और पर्वतीय जोन (हिमाचल प्रदेश, उतराखंड, जम्मू व कश्मीर) के लिए समय पर बिजाई हेतु अनुशंसित की गई हैं।

एबीक

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वउद्यमियों की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही। कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्ष्म बनाने तथा दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबीक उम्दा कार्य कर रहा है और अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करके उन्हे पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हे स्टार्ट-अप के लिए ऋण उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा। उन्होंने कहा यह एक बड़ी उपलब्धि है कि हकृवि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इन्क्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इन्क्यूबेटिक को 3.15 करोड़ रूपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।
- एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए 1 करोड़ 98 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में आर.के. वी. वाई.- रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबीक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए हैं। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस अनुदान राशि का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार देना व खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान में अपने कार्य क्षेत्र अनुसार किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहयोग देना है। उन्होंने कहा यह सेंटर भविष्य में बैंक से लोन, इन्वेस्टर से फंडिंग, मार्केटिंग, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी सहायता और किसान व स्टार्टअप मेले में मंच प्रदान करने में भरपूर सहयोग करेगा। उन्होंने स्टार्टअप्स से पूरी लगन से अपने व्यापार को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ताकि देश के नौजवान उनसे प्रेरित होकर अपना स्टार्टअप्स खड़े कर सकें।

वित नियंत्रक कार्यालय

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स को बैंक से समय पर पेंशन का भुगतान व अन्य संबंधित लाभ मिलेंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व भारतीय स्टेट बैंक के बीच एमओयू हुआ है। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की ओर से श्री नवीन जैन, वित्त नियंत्रक और भारतीय स्टेट बैंक की ओर से श्री राहुल रमन, क्षेत्रीय प्रबंधक ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पेंशन और फैमिली पेंशन भोगियों को भारतीय स्टेट बैंक अगले पांच साल तक पेंशन व अन्य संबंधित लाभ का समय पर भुगतान सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से बेहतर तालमेल को जारी रखने का आह्वान किया।

नेहरू पुस्तकालय

- विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं में एक नई सुविधा जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रिसर्च स्कॉलर हॉल में आधुनिक सुविधाएं जुटा कर इसे विद्यार्थियों को सौंपा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस रिसर्च स्कॉलर हॉल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा इस हॉल का विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय का प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं ताकि उनके शैक्षणिक व अनुसंधान क्रियाकलापों को सुगम बनाया जा सके और उनका सर्वांगीण विकास भी हो सके। उन्होंने कहा हाल ही में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में लेक्चर हॉल को स्मार्ट क्लास रूम में बदलने का कार्य शुरू किया।

कैम्पस स्कूल

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा जिया ने फतेहाबाद में आयोजित हरियाणा राज्य बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 40 कि.ग्रा. भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता है। राष्ट्रीय स्तर पर भी जिया का चयन हुआ है। जिया की इस उपलब्धि के लिए स्कूल के नियंत्रण अधिकारी डॉ. राजबीर सिंह, प्रधानाचार्य श्री सोमा सेखरा सर्मा धुलिपाला, खेल अध्यापिका बक्शो तथा अन्य अध्यापकों ने उसे बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ को मिला सर्वश्रेष्ठ केन्द्र का पुरस्कार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया है। केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने नई दिल्ली में बुधवार को आयोजित आउटलुक शिखर सम्मेलन और स्वराज पुरस्कार-2022 कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को यह पुरस्कार प्रदान किया। कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नवीन प्रौद्योगिकियों का खेत प्रदर्शनों के माध्यम से व्यापक प्रसार, कृषि में युवाओं को आकर्षित करना (आर्या) परियोजना के अन्तर्गत उद्यम इकाईयों की स्थापना, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के अन्तर्गत मौसम की सटीक जानकारी किसानों तक सही समय पर पहुंचाने, कृषि में कार्यरत महिलाओं में पोषक तत्वों के प्रति संवेदनशील कृषि संसाधन और नवाचार के साथ-साथ विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से अनुसूचित जाति के युवाओं के स्वरोजगार, भूमि सुधार के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर खादों का संतुलित मात्रा में प्रयोग व सरकार द्वारा किसानों के उत्थान के लिए संचालित विभिन्न परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वन के दृष्टिगत प्रदान किया गया है।

इस मौके पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ हकृवि के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल और कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ के वरिष्ठ संयोजक डॉ. रमेश कुमार भी मंच पर उपस्थित रहे।

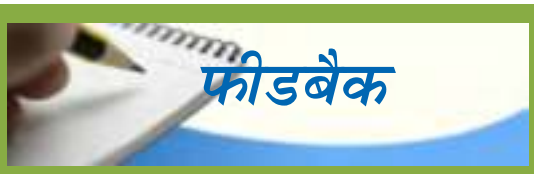

मीडिया एडवाइज़र
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार- 125 004
दूरभाष : 01662-284330, 289307
ई-मेल : mediaadvisorhau@gmail.com / prohaunews@gmail.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार- 125 004 (हरियाणा), भारत
(1970 की संसदीय अधिनियम संख्या 16 द्वारा संस्थापित)
दूरभाष : 01662-237720-21, 289502-10
वेबसाईट : www.hau.ac.in

Published by Media Advisor on behalf of CCS Haryana Agricultural University, Hisar. Printed at : Dorex Offset, Hisar Mob. 98960-11117